चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	3-6-26	4	2-4

एचएयू ने धान की उन्नत किस्म एचकेआर-49 के लिए गर्ग सीड्स कारपोरेशन से किया समझौता

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित किए जा रहे उन्नत किस्मों के बीज देश एवं प्रदेश के किसानों तक उपलब्ध करवाने के लिए पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत समझौते किए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय की तरफ से धान की उन्नत किस्म एचकेआर-49 के लिए गर्ग सीड्स कारपोरेशन लुधियाना के साथ गैर-अनन्य लाइसेंस समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि विज्ञानियों द्वारा किए जा रहे शोध किसानों तक पहुंचाना विश्वविद्यालय की पहली प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि धान की किस्म एचकेआर-49 अपनी उत्कृष्ट कृषि विशेषताओं एवं उत्पादन क्षमता के कारण किसानों के बीच काफी लोकप्रिय है। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज की उपस्थिति में गर्ग सीड्स कारपोरेशन, लुधियाना के साथ समझौता ज्ञापन पर विश्वविद्यालय की ओर से अनुसंधान निदेशक डा. राजबीर गर्ग तथा कंपनी की ओर से सेल्स एंड मार्केटिंग मैनेजर विकास बंसल ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर कुलसचिव डा. पवन कुमार, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. रमेश गोयल, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डा. रमेश कुमार, डा. वीरेन्द्र मोर, डा. योगेश जिंदल व डा. जितेन्द्र भाटिया मौजूद रहे।

हकृवि में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के दौरान मौजूद कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज, डा. राजबीर गर्ग (वीसी के बाएं) सहित कंपनी के अधिकारी • विज्ञप्ति

धान की उन्नत किस्म एचकेआर-49 की खासियत

यह अर्ध-बौनी शीघ्र पकने वाली तथा अधिक उपज देने वाली धान की किस्म है। यह 120-125 दिनों में पककर तैयार हो जाती है। इसके दाने अति उत्तम गुणवत्ता के हैं। यह किस्म फाल्स स्मट, ब्राउन स्पाट तथा लीफ फोल्डर के प्रति सहनशील है। सीधी बुआई की परिस्थितियों में भी यह अच्छी उपज देती है। इसकी औसत उपज 32 क्विंटल प्रति एकड़ तथा संभावित उपज 35-37 क्विंटल प्रति एकड़ है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	3.6.26	4	8

धान किस्म एचकेआर-49 के बीज उत्पादन के लिए लाइसेंस समझौता

हिसार | चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने ब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत धान की उन्नत किस्म एचकेआर-49 के लिए गर्ग सीड्स कॉरपोरेशन, लुधियाना के साथ गैर-अनन्य लाइसेंस समझौता किया। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि विश्वविद्यालय की प्राथमिकता वैज्ञानिक शोध को खेत तक पहुंचाना है और एचकेआर-49 अपनी कृषि विशेषताओं व उत्पादन क्षमता के कारण किसानों में लोकप्रिय रही है। समझौता ज्ञापन पर विश्वविद्यालय की ओर से अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग और कंपनी की ओर से सेल्स एंड मार्केटिंग मैनेजर विकास बंसल ने हस्ताक्षर किए। इसकी औसत उपज 32 क्विंटल प्रति एकड़ तथा संभावित उपज 35-37 क्विंटल प्रति एकड़ है। यह 120-125 दिनों में पककर तैयार हो जाती है। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. पवन कुमार, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. रमेश गोयल, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश कुमार, डॉ. वीरेन्द्र मोर, डॉ. योगेश जिंदल व डॉ. जितेन्द्र भाटिया मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	3.6.26	12	3-6

एचएयू का धान की उन्नत किस्म एचकेआर-49 के लिए करार

■ शोध किसानों तक पहुंचाना विश्वविद्यालय की पहली प्राथमिकता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से विकसित किए जा रहे उन्नत किस्मों के बीज देश एवं प्रदेश के किसानों तक उपलब्ध करवाने के लिए पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत समझौते किए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय द्वारा धान की उन्नत किस्म एचकेआर-49 के लिए गर्ग सीड्स कॉरपोरेशन, लुधियाना के साथ गैर-अनन्य लाइसेंस समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि वैज्ञानिकों द्वारा किए जा रहे शोध किसानों तक पहुंचाना विश्वविद्यालय की पहली प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि धान की किस्म एचकेआर-49 अपनी उत्कृष्ट कृषि विशेषताओं एवं उत्पादन क्षमता के कारण किसानों के बीच काफी लोकप्रिय है।

हिसार। समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के दौरान मौजूद कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज, कंपनी व विश्वविद्यालय के अधिकारी।

कंपनी के साथ समझौता

कुलपति प्रो. काम्बोज की उपस्थिति में गर्ग सीड्स कॉरपोरेशन, लुधियाना के साथ समझौता ज्ञापन पर विश्वविद्यालय की ओर से अनुसंधान निदेशक डॉ राजबीर गर्ग तथा कंपनी की ओर से सेल्स एंड मार्केटिंग मैनेजर विकास बंसल ने हस्ताक्षर किए। समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद अब कंपनी विश्वविद्यालय को लाइसेंस की फीस अदा करेगी जिसके तहत उसे बीज का उत्पादन व विपणन करने का अधिकार प्राप्त होगा।

धान की खासियत

यह अर्ध-बौनी शीघ्र पकने वाली तथा अधिक उपज देने वाली किस्म है। यह 120-125 दिनों में पककर तैयार हो जाती है। इसके दाने अति उत्तम गुणवत्ता के हैं। यह किस्म फॉल्स स्मट, ब्राउन स्पॉट तथा लीफ फोल्डर के प्रति सहनशील है। यह बहुफसली खेती प्रणाली तथा कटाई उपरांत कार्यों के समयबद्ध प्रबंधन के लिए उपयुक्त है। सीधी बुवाई की परिस्थितियों में भी यह अच्छी उपज देती है। इसकी औसत उपज 32 क्विंटल प्रति एकड़ तथा संभावित उपज 35-37 क्विंटल प्रति एकड़ है। लंबे एवं पतले दानों वाली लंबी बालियां होती हैं। इसके पौधे सीधे खड़े रहने वाले तथा गिरने के प्रति प्रतिरोधी हैं। फसल गिरने की समस्या नहीं होती। मौके पर अधिष्ठाता डॉ. रमेश गोयल, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश कुमार, डॉ. वीरेन्द्र मोर, डॉ. योगेश जिंदल व डॉ. जितेन्द्र भाटिया मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	3-6-26	5	1-2

एचएयू ने धान की उन्नत किस्म एचकेआर-49 के लिए गर्ग सीड्स कॉर्पोरेशन लुधियाना से किया समझौता

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के दौरान मौजूद कुलपति प्रोफैसर बी.आर. काम्बोज, कम्पनी व विश्वविद्यालय के अधिकारी।

हिसार, 2 जून (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित किए जा रहे उन्नत किस्मों के बीज देश एवं प्रदेश के किसानों तक उपलब्ध करवाने के लिए पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत समझौते किए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय द्वारा धान की उन्नत किस्म एचकेआर-49 के लिए गर्ग सीड्स कॉरपोरेशन, लुधियाना के साथ गैर-अनन्य लाइसेंस समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि वैज्ञानिकों द्वारा किए जा रहे शोध किसानों तक पहुंचाना विश्वविद्यालय की पहली प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि धान की किस्म एचकेआर-49 अपनी उत्कृष्ट कृषि विशेषताओं एवं उत्पादन क्षमता के कारण किसानों के बीच काफी लोकप्रिय है। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज की उपस्थिति में गर्ग सीड्स कॉरपोरेशन, लुधियाना के साथ समझौता ज्ञापन पर विश्वविद्यालय की ओर से अनुसंधान निदेशक डॉ राजबीर गर्ग तथा कंपनी की ओर से सेल्स एंड मार्केटिंग मैनेजर विकास बंसल ने हस्ताक्षर किए। समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद अब कंपनी विश्वविद्यालय को लाइसेंस की फीस अदा करेगी जिसके तहत उसे बीज का उत्पादन व विपणन करने का अधिकार प्राप्त होगा इसके बाद किसानों को भी इस उन्नत किस्म का बीज उपलब्ध हो सकेगा। यह अर्ध-बौनी शीघ्र पकने वाली तथा अधिक उपज देने वाली किस्म है। यह 120-125 दिनों में पककर तैयार हो जाती है। इसके दाने अति उत्तम गुणवत्ता के हैं। यह किस्म फॉल्स स्मट, ब्राउन स्पॉट तथा लीफ फोल्डर के प्रति सहनशील है। यह बहुफसली खेती प्रणाली तथा कटाई उपरांत कार्यों के समयबद्ध प्रबंधन के लिए उपयुक्त है। सीधी बुवाई की परिस्थितियों में भी यह अच्छी उपज देती है। इसकी औसत उपज 32 क्विंटल प्रति एकड़ तथा संभावित उपज 35-37 क्विंटल प्रति एकड़ है। लंबे एवं पतले दानों वाली लंबी बालियां होती हैं। इसके पौधे सीधे खड़े रहने वाले तथा गिरने के प्रति प्रतिरोधी हैं। फसल गिरने की समस्या नहीं होती। पकने पर दानों का झडना नहीं होता। जल्दी तथा देर से रोपाई, दोनों परिस्थितियों के लिए उपयुक्त है। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. पवन कुमार, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. रमेश गोयल, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश कुमार, डॉ. वीरेन्द्र मोर, डॉ. योगेश जिंदल व डॉ. जितेन्द्र भाटिया मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूँ	03.06.2026	--	--

सच कहूँ सॅच वहुँ
epaper.sachkahoon.com
03 Jun 2026 - Page 7

किसानों तक पहुंचेगी एचकेआर-49 की ताकत, एचएयू ने गर्ग सीड्स से किया समझौता

■ 120-125 दिन में तैयार होने वाली उन्नत धान किस्म, 35-37 क्विंटल प्रति एकड़ तक है संभावित उपज

हिसार (सच कहूँ/मुकेश)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) ने धान की उन्नत किस्म एचकेआर-49 के उत्पादन एवं विपणन के लिए लुधियाना की गर्ग सीड्स कॉरपोरेशन के साथ गैर-अनन्य लाइसेंस समझौता किया है। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत किस्मों का लाभ किसानों तक पहुंचाना प्राथमिकता है। समझौते पर विश्वविद्यालय की ओर से अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग तथा कंपनी की ओर से सेल्स एवं मार्केटिंग मैनेजर विकास बंसल ने हस्ताक्षर किए।

उन्होंने बताया कि एचकेआर-49 अर्ध-बौनी, शीघ्र पकने वाली और अधिक उपज देने वाली धान की किस्म है, जो 120-125 दिनों में तैयार हो जाती है। इसकी औसत उपज 32 क्विंटल प्रति एकड़ तथा संभावित उपज 35-37 क्विंटल प्रति एकड़ है। यह किस्म प्रमुख रोगों के प्रति सहनशील होने के साथ-साथ जल्दी और देर से रोपाई, दोनों परिस्थितियों के लिए उपयुक्त है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉल
सिटी पल्स	02.06.2026	--	--

एचएयू ने धान की उन्नत किस्म एचकेआर-49 के लिए गर्ग सीड्स लुधियाना से किया समझौता

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित किए जा रहे उन्नत किस्मों के बीज देश एवं प्रदेश के किसानों तक उपलब्ध करवाने के लिए पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत समझौते किए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय द्वारा धान की उन्नत किस्म एचकेआर-49 के लिए गर्ग सीड्स कॉरपोरेशन, लुधियाना के साथ गैर-अनन्य लाइसेंस समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि वैज्ञानिकों द्वारा किए जा रहे शोध किसानों तक पहुंचाना विश्वविद्यालय की पहली प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि धान की किस्म एचकेआर-49 अपनी उत्कृष्ट कृषि विशेषताओं एवं उत्पादन क्षमता के कारण किसानों के बीच काफी लोकप्रिय है।

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के दौरान मौजूद कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज, कंपनी व विश्वविद्यालय के अधिकारी।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज की उपस्थिति में गर्ग सीड्स कॉरपोरेशन, लुधियाना के साथ समझौता ज्ञापन पर विश्वविद्यालय की ओर से अनुसंधान निदेशक डॉ राजबीर गर्ग तथा कंपनी की ओर से सेल्स एंड मार्केटिंग मैनेजर विकास बंसल ने हस्ताक्षर किए।

विश्वविद्यालय के साथ किसानों को भी होगा फायदा : समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद अब कंपनी विश्वविद्यालय को लाइसेंस की फीस अदा करेगी जिसके तहत उसे बीज का उत्पादन व विपणन करने का अधिकार प्राप्त होगा इसके बाद किसानों को भी इस उन्नत किस्म का बीज उपलब्ध हो सकेगा।

इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. पवन कुमार, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. रमेश गोयल, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश कुमार, डॉ. वीरेन्द्र मोर, डॉ. योगेश जिंदल व डॉ. जितेन्द्र भाटिया मौजूद रहे।

यह है खासियत

यह अर्ध-बौनी तीस पकने वाली तथा अधिक उपज देने वाली किस्म है। यह 120-125 दिनों में पककर तैयार हो जाती है। इसके दाने अति उत्तम गुणवत्ता के है। यह किस्म फॉल्स स्मट, ब्राउन स्पॉट तथा लीफ फोल्डर के प्रति सहनशील है। यह बहुफसली खेती प्रणाली तथा कटाई उपरांत कार्यों के समयबद्ध प्रबंधन के लिए उपयुक्त है। सीधी बुवाई की परिस्थितियों में भी यह अच्छी उपज देती है। इसकी औसत उपज 32 क्विंटल प्रति एकड़ तथा संभावित उपज 35-37 क्विंटल प्रति एकड़ है। लंबे एवं पतले दानों वाली लंबी बालियां होती है। इसके पौधे सीधे खड़े रहने वाले तथा गिरने के प्रति प्रतिरोधी हैं। फसल गिरने की समस्या नहीं होती। पकने पर दानों का झड़ना नहीं होता। जल्दी तथा देर से रोपाई, दोनों